पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)

———

# राज्यपाल बतौर मुख्य अतिथि गोयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के 16वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुईं

———

## विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार भी सिखाएं

———

## प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में ही हो

———

## बच्चों को शिक्षा के साथ हुनर भी सिखाएं

———

## शिक्षा ज्ञान प्राप्ति के लिए है, नकल की प्रवृत्ति हानिकारक है

———

## शिक्षक अपने शैक्षणिक परिसर के बेहतर रख–रखाव पर भी ध्यान दें

———

## विद्यार्थियों को शैक्षणिक परिसर से बाहर की गतिविधियों में जोड़कर व्यवहारिक ज्ञान भी दें

———

## उच्च शिक्षण संस्थान गाँव के प्राथमिक विद्यालयों के विकास से भी जुड़ें

———

## तकनीकी विकास के लिए भारत के अन्य देशों से हुए समझौते के दृष्टिगत शैक्षणिक व्यवस्था का विस्तार करें

**–राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल**

———

## आंगनवाड़ी केन्द्रों से विश्वविद्यालयों तक शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार के लिए राज्यपाल की प्रतिबद्धता अनुकरणीय

**–उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक**

———

लखनऊ : 04 जुलाई, 2023

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल आज यहाँ गोयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, लखनऊ के सोलहवें स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने परिसर में स्थापित संस्थान के अध्यक्ष, श्री महेश कुमार

अग्रवाल के पिता स्व0 रामजी लाल अग्रवाल की प्रतिमा का अनावरण और पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल जी ने संस्थान के स्थापना दिवस की बधाई के साथ सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल जी ने विद्यार्थियों द्वारा समारोह में प्रस्तुत सरस्वती वंदना तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था में संस्कार की शिक्षा नही है। जबकि ये आवश्यक और जीवन का अभिन्न ज्ञान है, इसीलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में इसको भी सिलेबस का हिस्सा बनाया गया है। राज्यपाल जी ने शिक्षा को सहज और बोधगम्य बनाने की दृष्टि से पहली से लेकर पांचवीं कक्षा तक की शिक्षा को मातृभाषा में करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिशु मातृभाषा में सिखायी गयी चीजों को ग्रहण करता है, सीखता है। दूसरी भाषा में उसे ज्ञान देने पर रटाना पड़ता है।

अपने सम्बोधन में राज्यपाल जी ने बच्चों को बचपन से ही शिक्षा के साथ–साथ हुनर सिखाने पर भी जोर दिया। उन्होंने शिक्षा को ज्ञान प्राप्ति का आधार बताते हुए कहा कि नकल करके पास होने की इच्छा भी हानिकारक है। नकल की प्रवृत्ति योग्यता के विकास में बाधक है।

राज्यपाल जी ने सम्बोधन में शिक्षकों को शिक्षण और शिक्षा–संस्थान के प्रति प्रतिबद्धता से कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि शिक्षक निर्धारित शिक्षण समय के अतिरिक्त शिक्षण संस्थान को बेहतर बनाने में भी योगदान दें और अपने संस्थान को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उच्च रैंकिंग प्राप्त संस्थानों में गणनीय बनाने के लिए कार्य करें। उन्होंने शिक्षकों को संस्थान के बेहतर रख–रखाव से भी जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को शैक्षणिक परिसर से बाहर निकलकर गतिविधियों में भाग लेने, सामाजिक कार्यों से जुड़कर विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि वास्तविक ज्ञान सामाजिक जीवन से जुड़ने पर ही प्राप्त होता है। इसलिए शिक्षा परिसर में मिले ज्ञान के साथ–साथ व्यवहारिक ज्ञान से भी जुड़ना आवश्यक है।

राज्यपाल जी ने उच्च शिक्षण संस्थानों को गांवों के प्राथमिक विद्यालयों, आंगनवाड़ी केन्द्रों के विकास से जुड़ने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि गांव के विद्यार्थी उच्च

शिक्षा के महत्व को समझ सकें, इसके लिए विश्वविद्यालय अपने समारोहों में गाँव के स्कूलों से विद्यार्थियों को भी अवश्य बुलाएं।

अपने सम्बोधन में राज्यपाल जी ने भारत के प्रधानमंत्री जी द्वारा हाल ही में अपने विदेश प्रवास के दौरान भारत में तकनीकी विकास हेतु विभिन्न देशों से हुए समझौतों का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने समारोह में विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो0 आलोक कुमार राय तथा ए0के0टी0यू0 लखनऊ के कुलवति, प्रो0 जे0पी0 पाण्डेय को निर्देशित किया कि इन समझौतों के दृष्टिगत विश्वविद्यालय में भी शैक्षणिक व्यवस्था का विस्तार किया जाए। उन्होंने आगामी दस सालों तक शैक्षिक प्रगति की रूपरेखा तैयार करने का निर्देश दिया।

समारोह को सम्बोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री, श्री ब्रजेश पाठक ने प्रदेश के आंगनवाड़ी केन्द्रों से विश्वविद्यालयों तक शैक्षणिक सुधार के लिए राज्यपाल जी की प्रतिबद्धता को अनुकरणीय बताया। उन्होंने इसी क्रम में राज्यपाल जी के अदम्य नेतृत्व में नैक में उच्चतम ग्रेड प्राप्त कर रहे प्रदेश के विश्वविद्यालयों की चर्चा भी की।

समारोह में राज्यपाल जी ने गोयल ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन की तरफ से गोद लिए गए दस आंगनवाड़ी केन्द्रों को सुसज्जित करने हेतु आंगनवाड़ी किट वितरित की। संस्थान के अध्यक्ष इंजीनियर महेश कुमार अग्रवाल ने समारोह में जुड़ने के लिए राज्यपाल तथा अन्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में इन्स्टीट्यूशन से जुड़े शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, छात्र–छात्राएं तथा अन्य महानुभाव उपस्थित थे।

———

डॉ0 सीमा गुप्ता
सूचना अधिकारी, राजभवन
संपर्क सूत्र : 8318116361